B.A.(Prog.) Semester-IV (CBCS)
Sanskrit
Indian Architecture System (SEC)
(Code 62136941)

M.M. : 100

Note : *Unless otherwise required in a question, answers should be written in* ***Sanskrit*** *or in* ***Hindi*** *or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any ***two*** *questions in all.*
All questions carry equal marks.

किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(Write your Name and Roll No. on each page of your answer sheet.)
(अपनी उत्तर पुस्तिका के प्रत्येक पृष्ठ पर अपना नाम और रोल नंबर लिखें।)

Q.1. वर्तमान सन्दर्भ में वास्तुशास्त्र के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
Through light on the importance of Vastushastra and its relevance in modern context.

Q.2. वास्तुसौख्यम् के आधार पर 'भूमि-परीक्षण' पर प्रकाश डालिए।
Through light on 'Bhumi-Priksanam' on the basis of Vastusaukhyam.

Q.3. वास्तुसौख्यम् में वर्णित गृह पर्यावरण के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
Explain the importance of Grih Paryavarana as depicted in Vastusaukhyam.

Q.4. नन्द्यावर्त वास्तु एवं टोडरमल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on Nandyavarta Vastu and Todermal.